आपके हाथ खून से भरे हुए हैं।

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

यशायाह 1:15 “

और जब तुम अपने हाथ जोड़ते हो, तो मैं अपनी आँखें छिपा लूंगा
कि तुम्हें न देखूं; हाँ, जब तुम प्रार्थना करते हो तो मैं सुनूंगा नहीं; क्योंकि तुम्हारे हाथ खून से भरे हैं।”

आपके हाथ खून से भरे हुए हैं।

सुलैमान को पवित्र आत्मा के झोंके द्वारा यह ज्ञान दिया गया कि छह चीजें हैं जो परमेश्वर को नापसंद हैं, उनमें से एक है ऐसे हाथ जो लोगों के खून बहाते हैं। (नीतिवचन 6:17)।

और पवित्र शास्त्र के कई स्थानों पर आप देखेंगे कि प्रभु अपने लोगों को इस पाप – रक्तपात – के कारण डांटते हैं। उदाहरण के लिए यशायाह 1:15 में कहा गया है:

“और जब तुम अपने हाथ जोड़ते हो, तो मैं अपनी आँखें छिपा लूंगा कि तुम्हें न देखूं; हाँ, जब तुम प्रार्थना करते हो तो मैं सुनूंगा नहीं; क्योंकि तुम्हारे हाथ खून से भरे हैं।”

आपके हाथ खून से भरे हुए हैं।

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

16 “अपने आप को साफ करो, पापों को धो डालो; बुराई अपने कर्मों से दूर करो जो मेरी आँखों के सामने है; बुरे काम करना बंद करो;

17 अच्छा करना सीखो; न्याय और दया करना सीखो; पीड़ितों की मदद करो; यतीम का न्याय करो; विधवा की रक्षा करो।”

इसे ज़ेकारीया 9:9 में भी पढ़ें:

“तब उसने मुझसे कहा, ‘इस्राएल और यहूदा का बुरा बहुत बढ़ गया
है, और देश खून से भरा हुआ है, और नगर न्याय भटकाने से भरा है; क्योंकि वे कहते हैं, प्रभु ने इस देश को छोड़ दिया है, और प्रभु इसे नहीं देखता।’”

कई जगहों पर, जब परमेश्वर ने अपने लोगों को देखा, तो उसने उनके हाथों में बहुत खून देखा। (यशायाह 59:3, यिर्मयाह 22:3, येजेकियल 23:37, 45)

अब यह सोचना आसान है कि वे लोग वास्तव में हत्यारे थे, जो छिपकर लोगों को मारते थे या आपस में लड़ते थे। लेकिन ऐसा नहीं था। इस्राएलियों ने ऐसा नहीं किया, जैसा आज की दुनिया में बहुत से लोग करते हैं।

आपके हाथ खून से भरे हुए हैं।

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

इसलिए वे खुद भी नहीं समझ पाए कि परमेश्वर उनकी आत्माओं के दृष्टिकोण से उनके कर्मों को कैसे देखता है।

यह तब तक था जब तक प्रभु यीशु नया नियम लेकर आए और हमें यह समझाया कि परमेश्वर का अर्थ क्या था।

चलो पढ़ते हैं:

1 यूहन्ना 3:15 “जो कोई अपने भाई से नफरत करता है, वह
हत्यारा है, और तुम जानते हो कि हर हत्यारा अनन्त जीवन में नहीं रहता।”

उन्होंने विस्तार से बताया कि जो व्यक्ति अपने भाई से नफरत करता है, वह उसी तरह दंड के योग्य है, जैसे वह अपराधी जो किसी के खून को बहाता है।

मत्ती 5:22 “पर मैं तुम से कहता हूँ कि जो कोई अपने भाई को क्रोधित करता है, वह न्याय का अधिकारी होगा; और जो कोई अपने भाई को ‘मूर्ख’ कहता है, वह परिषद का अधिकारी होगा; और जो कोई कहे ‘मूर्ख!’ वह नरक के अग्नि का अधिकारी होगा।”

आपके हाथ खून से भरे हुए हैं।

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

भाई/बहन जो यह पढ़ रहे हैं, हमें समझना चाहिए कि हम अच्छे प्रार्थकता, अच्छे शिक्षक, अच्छे मददगार, अच्छे चरवाहे हो सकते हैं, परंतु परमेश्वर के सामने हम खतरनाक लोग हो सकते हैं, जिन्हें कठोर अपराधी की तरह देखा जाता है, जिन्होंने कई आत्माओं को मार डाला हो। हमारे हाथ खून से लथपथ हैं, हमारे पास छुरियाँ, तलवारें और तीर हैं, हम मार रहे हैं, और रोज़ाना लोगों को मारना जारी रखते हैं। कारण क्या है? कारण हमारे दिलों में दूसरों के प्रति घृणा है।

जब हम कड़वाहट और क्रोध रखते हैं, तो परमेश्वर हमें नरक की आग के योग्य देखता है। यहाँ तक कि हमारी भेंट जो हम उसे देते हैं, वह भी उसके लिए बड़ी नफरत है, इसलिए वह कहता है कि जब तक तुम अपने पड़ोसियों से मेल-मिलाप नहीं कर लेते, तब तक भेंट न दो।

मत्ती 5:23-24 “यदि तुम अपनी भेंट को वेदी पर लाते हो और
वहाँ याद करते हो कि तुम्हारे भाई के प्रति तुम्हारे पास
कोई शिकायत है, तो अपनी भेंट को वहाँ वेदी के सामने छोड़ दो, पहले जाकर अपने भाई से मेल-मिलाप करो, फिर आकर अपनी भेंट चढ़ाओ।”

इसलिए हमें सीखना चाहिए कि हम घृणा को छोड़ दें ताकि हम हत्यारे न बनें। और इस स्थिति को जीतने का एकमात्र तरीका है कि हम

आपके हाथ खून से भरे हुए हैं।

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

परमेश्वर के वचन पर बहुत अधिक चिंतन करें। क्योंकि वचन उपचार है, जो चेतावनी, सांत्वना और सलाह देता है। यदि तुम्हें ऐसा लगता है कि यह स्थिति तुम्हें जीत रही है, तो समझो कि तुम्हारा शास्त्रों पर ध्यान कम है।

लेकिन जब हम उस वचन को पढ़ते हैं जो कहता है कि यदि तुम्हारा भाई तुम्हें पढ़े, तो कितनी बार तुम उसे क्षमा करोगे? प्रभु ने उत्तर दिया कि सात बार नहीं, बल्कि सत्तर बार सात (490) तक। (मत्ती 18:22) तब हम समझेंगे कि क्षमा का अर्थ क्या है। यह केवल सब कुछ छोड़ देने और मूर्ख दिखने को तैयार होने से कहीं अधिक है। यह हर स्थिति को स्वीकार करने से भी बढ़कर है। यही वह स्थान है जहाँ हम जान पाएंगे कि हमारे पास हमारे भाई, दोस्त या पड़ोसी द्वारा किए गए हर काम को पकड़ कर रखने की कोई वजह नहीं है।

क्योंकि वे सब कभी 490 बार नहीं दोहराए हैं, शायद केवल दो या दस बार। इसलिए हमें क्षमा करना चाहिए।

परमेश्वर हमारी मदद करे, और हमारे हाथ साफ़ हों जैसे हमारे प्रभु यीशु मसीह की भेड़ के।

तब हम अपने प्रभु के पास आकर आशीर्वाद पाएंगे।

आपके हाथ खून से भरे हुए हैं।

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

अय्यूब 17:19 “परन्तु धर्मी अपनी राह पकड़ लेगा, और स्वच्छ
हाथ वाला और अधिक बल पाएगा।”

शालोम।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp